आत्मनिर्भर महिला विकास की धुरी

राजाखेड़ा. छात्राओं को संबोधित करते शिक्षक।

राजाखेड़ा. क्षेत्र के राजकीय कन्या महाविद्यालय मरैना में छात्रा जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता विषय पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। प्राचार्य डॉ. रचना मेहता ने बताया कि मुख्य प्रशिक्षक रामहेत सिंह ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता का महत्व बताते हुए कहा कि आत्मनिर्भर महिला देश के विकास की धुरी है। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने में दीनदयाल अन्त्योदय योजना, शहरी आजीविका मिशन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन की विस्तृत जानकारी दी। इन योजनाओं में समूह निर्माण की विधि, समूह के नियम, समूह की कार्य पद्धति, समूहों को बैंक खाते खोलने उन खातों में सरकारी सहायता, समूह की सदस्य महिलाओं को समाजोपयोगी वस्तुओं का घर पर ही उत्पादन करना, उत्पादित वस्तुओं के लिए बाजार तक पहुंच आदि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण आजीविका मिशन की महिला कल्याण की योजनाओं से महिलाओं की स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। इन योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं स्वयं का रोजगार पैदा कर न केवल स्वयं सशक्त और आत्मनिर्भर बनती हैं अपितु समाज को आत्मनिर्भर और विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस समय बेरोजगारी और गरीबी दूर करने के लिए सरकार की अनेक योजनाएं चल रही हैं। लेकिन जागरुकता के अभाव में हम इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। डॉ. गीताराम शर्मा ने प्रशिक्षक रामहेत सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया।